जगजननी जय जय,
माँ जग-जननी जय जय,
भयहारिणि भवतारिणि,
भवभामिनि जय जय,
ॐ जगजननी जय जय।।

तू ही सत चित सुखमय,
शुद्ध ब्रह्मरूपा,
सत्य सनातन सुंदर,
परशिव सुर भूपा,
ॐ जग-जननी जय जय।।

आदि अनादि अनामय,
अविचल अविनाशी,
अमल अनंत अगोचर,
अज आनंदराशी,
ॐ जग-जननी जय जय।।

अविकारी अघहारी,
अकल कलाधारी,
कर्ता विधि भर्ता हरि,
हर संहारकारी,
ॐ जग-जननी जय जय।।

तू विधिवधू रमा,
तू उमा महामाया,
मूल प्रकृति विद्या तू,
तू जननी जाया,
ॐ जग-जननी जय जय।।

राम कृष्ण तू सीता,
वृजरानी राधा,
तू वाञ्छाकल्पद्रुम,
हारिणि सब बाधा,
ॐ जग-जननी जय जय।।

दशविद्या नवदुर्गा,
नाना शस्त्र करा,
अष्ट मातृका योगिनि,
नव नव रूप धरा,
ॐ जग-जननी जय जय।।

तू परधामनिवासिनि ,
माँ महाविलासिनि तू,
तू ही शमशान विहारिणि,
ताण्डवलासिनि तू,
ॐ जग-जननी जय जय।।

सुर मुनि मोहिनि सौम्या,
तू शोभाआधारा,
विवसन विकट सरूपा,

प्रलयमयी धारा,
ॐ जग-जननी जय जय।।

तू ही स्नेह सुधामयि,
तू अति गरलमना,
रत्नविभूषित तू ही,
तू ही अस्थितना,
ॐ जग-जननी जय जय।।

मूलाधार निवासिनि,
इह पर सिद्धिप्रदे,
कालातीता काली,
कमला तू वरदे,
ॐ जग-जननी जय जय।।

शक्ति शक्तिधर तू ही,
माँ नित्य अभेदमयी,
भेद प्रदर्शनी वाणी,
विमले वेदत्रयी,
ॐ जग-जननी जय जय।।

हम अति दीन दुखी माँ,
विपत जाल घेरे,
हैं कपूत अति कपटी,
पर बालक तेरे,
ॐ जग-जननी जय जय।।

निज स्वभाव वश जननी,
दया दृष्टि कीजे,
करुणा कर करुणामयी,
चरण शरण दीजे,
ॐ जग-जननी जय जय।।

जगजननी जय जय,
माँ जगजननी जय जय,
भयहारिणि भवतारिणि,
भवभामिनि जय जय,
ॐ जग-जननी जय जय।।

Upload By
Rahul Upadhyay
8707232607

Source: https://www.bharattemples.com/jag-janani-jai-jai-aarti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw